

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

तमिलनाडु में DMK को बड़ा झटका, 9 साल पुराना गठबंधन तोड़ MDMK हुई अलग ;
TVK के साथ जाने के संकेत

Sanket Morankar

Published on 27 Jun 2026



तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (MDMK) ने नौ वर्षों से जारी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) के साथ अपना गठबंधन औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया है। यह फैसला पार्टी की जनरल काउंसिल बैठक में लिया गया।

हालांकि MDMK ने अभी तक आधिकारिक तौर पर सत्तारूढ़ TVK के नेतृत्व वाले मोर्चे में शामिल होने की घोषणा नहीं की है, लेकिन पार्टी के हालिया राजनीतिक कदमों को देखते हुए ऐसे संकेत लगातार मिल रहे हैं।

DMK पर लगाया पार्टी को कमजोर करने का आरोप

MDMK ने अपने प्रस्ताव में कहा कि DMK गठबंधन में रहते हुए पार्टी को कमजोर करने की कोशिशें की गईं।

पार्टी ने आरोप लगाया कि “एक गुप्त योजना के तहत AIADMK को सरकार बनाने का मौका देने की रणनीति बनाई जा रही थी, ऐसे में गठबंधन में बने रहना संभव नहीं था।”

TVK सरकार का किया स्वागत

गठबंधन तोड़ने के साथ ही MDMK ने मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली TVK सरकार का स्वागत भी किया।

पार्टी ने सरकार से भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, मेकेदातु बांध परियोजना जैसे तमिलनाडु के हितों की रक्षा और चुनावी वादों को पूरी मजबूती से लागू करने की अपील की।

हालांकि पार्टी ने अपने प्रस्ताव में TVK गठबंधन में शामिल होने का सीधा उल्लेख नहीं किया।

DMK ने आरोपों को किया खारिज

DMK ने MDMK के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया ।

DMK नेता सैयद हफीजुल्लाह ने कहा कि पार्टी ने ही MDMK को विधानसभा और संसद में प्रतिनिधित्व दिलाया था ।

उन्होंने यह भी कहा कि वैको के बेटे दुरई वैको को पार्टी में प्रमुख भूमिका देने के बाद ही MDMK कमजोर हुई है, जबकि स्वयं वैको लंबे समय से वंशवाद की राजनीति का विरोध करते रहे हैं ।

दो विधायक DMK के साथ ही रहेंगे

MDMK के इस फैसले के बावजूद पार्टी के दो विधायक, जो 2026 विधानसभा चुनाव में DMK के 'राइजिंग सन' चुनाव चिह्न पर जीतकर आए थे, जनरल काउंसिल बैठक से दूर रहे ।

इन दोनों विधायकों ने संकेत दिया है कि वे DMK के साथ ही बने रहेंगे ।

इस वजह से यदि MDMK भविष्य में TVK गठबंधन में शामिल भी होती है तो विधानसभा में सरकार की संख्या पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

पहले भी मिले थे संकेत

MDMK के गठबंधन छोड़ने के संकेत पहले ही मिलने लगे थे ।

पार्टी ने हाल ही में TVK सरकार के विश्वास मत के दौरान मतदान से दूरी बनाई थी । इसके बाद वैको, उनके बेटे और सांसद दुरई वैको की मुख्यमंत्री विजय तथा TVK के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकातें भी हुई थीं ।

अब TVK के साथ कौन-कौन ?

MDMK के अलग होने के बाद कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथैगल काची (VCK), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) और MDMK अब TVK के साथ माने जा रहे हैं ।

कांग्रेस सरकार में दो मंत्रियों के साथ शामिल है, जबकि VCK और IUML के एक-एक मंत्री कैबिनेट में हैं । वहीं CPI और CPM फिलहाल बाहर से सरकार को समर्थन दे रहे हैं ।

DMK में भी उठ रही अकेले चुनाव लड़ने की मांग

इस राजनीतिक घटनाक्रम के बीच DMK के भीतर भी भविष्य में अकेले चुनाव लड़ने की मांग तेज हो रही है ।

सबसे पहले सांसद कनिमोझी ने यह सुझाव दिया था, जिसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद ए. राजा ने भी इसी राय का समर्थन किया ।

वैको और DMK का पुराना रिश्ता

एक समय वैको को पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता था ।

लेकिन 1993 में उनकी बढ़ती लोकप्रियता और एम.के. स्टालिन के लिए संभावित चुनौती माने जाने के बाद उन्हें DMK से निष्कासित कर दिया गया था ।

इसके बाद वर्षों तक उनका DMK के साथ संबंध कभी सहयोग तो कभी विरोध का रहा । अब एक बार फिर वैको ने अपनी पार्टी MDMK को DMK गठबंधन से अलग कर तमिलनाडु की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है ।